EV3YP6

पाठ-6

भारत: यातायात, व्यापार एवं संचार

हम अपने खेत से अनाज घर तक कैसे लाते हैं ? जब बुआ, मामा या किसी अन्य रिश्तेदार के घर जाना होता है तो आप किससे जाते हैं ? यदि बाजार या विद्यालय आपके घर से दूर है तो आप वहाँ किससे जाते हैं।

इन सबके लिए आप बैलगाड़ी टैªक्टर, साइकिल, रिक्शा, टैम्पो, बस, रेल, आदि का प्रयोग करते हैं। यह सभी यातायात के साधन कहलाते हैं। जिन साधनों द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान तक व्यक्ति व वस्तुओं का आवागमन होता है, उन्हें 'यातायात के साधन' कहलातेहैं।

आपने आसमान में उड़ता हुआ हवाई-जहाज और पानी में तैरती हुई नाव तो देखी ही होगी। इन सबसे भी तो हम लोग आते-जाते हैं। यह भी यातायात के साधन हैं, लेकिन ये जमीन पर नहीं चलते। नाव, पानी पर और हवाई-जहाज हवा में उड़ता है। इस कारण हम यातायात के साधनों को तीन भागों में बाँटते हैं-

(क)स्थल मार्ग के साधन-जो साधन, जमीन पर चलते हैं।

(ख)जल मार्ग के साधन-जो साधन, पानी पर चलते हैं।

(ग) वायु मार्ग के साधन-जो साधन, हवा में चलते हैं।

स्थल मार्ग

धरातल पर आने-जाने के रास्तों को 'स्थल मार्ग' कहते हैं। स्थलमार्ग में सड़क और रेलमार्ग दोनों सम्मिलित हैं। नागरिकों की सुविधा के लिए सरकार द्वारा सड़कों के विकास पर जोर दिया गया है। इसके लिए सड़कों को कई वर्गों में बाँटा गया है- राष्ट्रीय राजमार्ग/ एक्सप्रेस वे, राज्य राजमार्ग, प्रमुख जिला सड़कें, अन्य जिला सड़कें और ग्रामीण सड़कें।

- आप, अपने जनपद से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग का नाम व संख्या पता कीजिए।

आप भारत में सड़क मार्ग के विस्तार को मानचित्र (चित्र 6.1) पर देखिए और बताइए कि भारत के किस क्षेत्र में सड़कें अधिक हैं व किस क्षेत्र में कम ?

धरातलीय बनावट के कारण भारत के सभी भागों में सड़कों का विकास समान रूप से नहीं हुआ है। उत्तर के मैदानी भागों और दक्षिणी भागों में सड़कों का विकास अधिक हुआ है, जबकि राजस्थान, असम और जम्मू-कश्मीर राज्यों में कम। ऐसा क्यों ? विचार कीजिए।

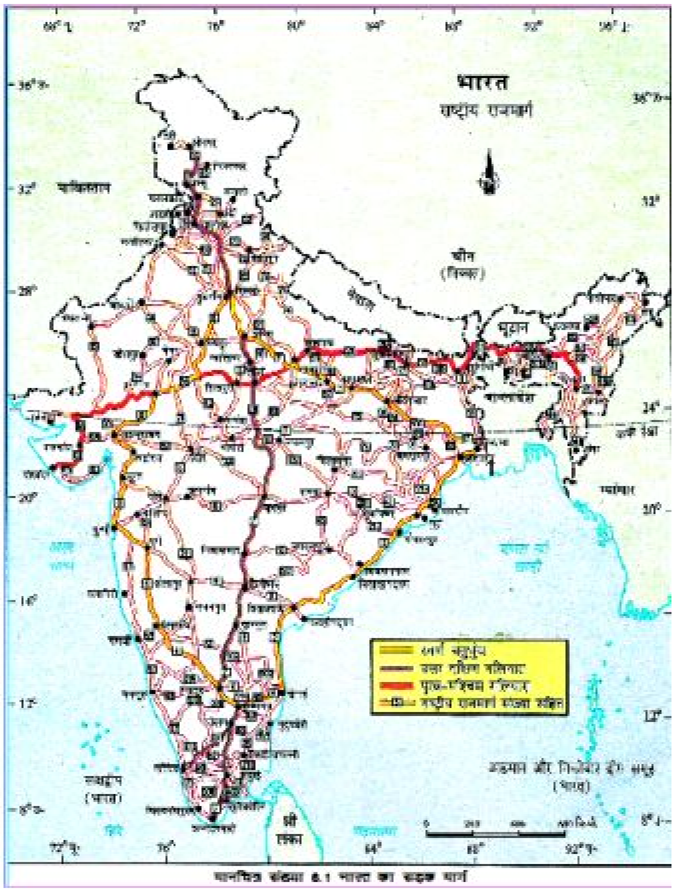

मानचित्र संख्या 6.1 भारत का सड़क मार्ग

शेरशाह सूरी ने कोलकाता से पेशावर तक शाही राजमार्ग का निर्माण कराया था। इसे ही ब्रिटिश काल से ग्राण्ड ट्रंक रोड (जी0टी0रोड) के नाम से जाना जाता है। वर्तमान में यह अमृतसर से कोलकाता के बीच विस्तृत है।

भारत के प्रमुख सड़क मार्ग-

राष्ट्रीय राजमार्ग-1 (N.H.1) - दिल्ली से अमृतसर

राष्ट्रीय राजमार्ग-2(N.H.2) - दिल्ली से कोलकाता

राष्ट्रीय राजमार्ग-7 (N.H.7) - वाराणसी से कन्याकुमारी

राष्ट्रीय राजमार्ग-7, भारत का सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग है। भारत के अन्य राष्ट्रीय राजमार्गों को मानचित्र संख्या 6.1 पर देखिए।

- स्वर्णिम चतुर्भुज महामार्ग- यह देश के चार महानगरों दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता, चेन्नई को जोड़ते हुए लगभग 5846 किमी लम्बा सड़क मार्ग बनाया जा रहा है।
- उत्तर-दक्षिण एवं पूरब-पश्चिम गलियारा- उत्तर-दक्षिण गलियारा, जम्मू और कश्मीर के श्रीनगर से तमिलनाडु के कन्याकुमारी तक विस्तृत 4016 किमी लम्बा सड़क मार्ग है। पूरब-पश्चिम गलियारा, असम के सिलचर से गुजरात के पोरबंदर तक 3640 किमी लम्बा सड़क मार्ग बनाया जा रहा है।

रेलमार्ग

भारत में रेलमार्ग माल और यात्रियों के परिवहन का मुख्य साधन है। इस समय भारत में रेलमार्गों की कुल लम्बाई लगभग 66687 किमी है। इस दृष्टि से भारतीय रेलमार्ग का विश्व में दूसरा स्थान है। रेलों के विकास से कम समय में अधिक यात्रियों का आना-जाना और माल ढुलाई सम्भव हो गया है। डीजल और बिजली के इंजनों के प्रयोग से रेलगाड़ियों की गति तेज हो गई है। इस समय भारत में तेजगति से चलने वाली अनेक रेलगाड़ियाँ हैं, जैसे- शताब्दी-एक्सप्रेस, राजधानी-एक्सप्रेस

आप भारत में रेलमार्ग के विस्तार को मानचित्र (चित्र 6.2) पर देखिए और बताइए कि भारत के किस भाग में अधिक रेलमार्ग हैं और किस भाग में कम? ऐसा क्यों विचार कीजिए।

मानचित्र संख्या 6.2 भारत का रेलमार्ग

मैदानी भागों में रेलमार्ग बनाना आसान होता है, जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में कठिन। पहाड़ी क्षेत्र में तेज ढाल व तीखे मोड़ होते हैं, जो रेलमार्ग बनाने में समस्या उत्पन्न करते हैं। यहाँ सुरंगें बनाकर रेलमार्ग बनाने पड़ते हैं, जिसमें अधिक धन खर्च होता है। भारत के दक्षिणी भाग के पठारी होने के कारण यहाँ के रेलमार्ग टेढ़े-मेढ़े हैं। भारत के पश्चिमी तट पर 'भोरघाट' 'पालघाट' एवं 'थालघाट' में सुरंग बनाकर रेलमार्ग बनाए गए हैं।

कोलकाता, दिल्ली, बंगलुरू और मुम्बई महानगरों में यातायात की सुविधा के लिए जमीन के अन्दर भी रेलमार्ग बनाए गए हैं। इसे 'मेट्रो रेलमार्ग' कहा जाता है। अपने प्रदेश के लखनऊ सहित भारत के कई अन्य महानगरों में इस प्रकार के मेट्रो रेलमार्ग बनाए जा रहे हंै।

□आप, अपने सबसे निकट के रेलवे-स्टेशन जाकर ‘समय-सारिणी’ व ‘किराया-सारिणी’ देखने और टिकट खरीदने का तरीका जानिए।

स्थल मार्ग में सड़क यातायात का विशेष महत्त्व है, क्योंकि इससे घर के दरवाजे तक सामान पहुँचाया जा सकता है। रेलमार्गों की अपेक्षा सड़कों का निर्माण सस्ता भी है। पहाड़ी क्षेत्रों में रेलमार्ग की तुलना में सड़क बनाना आसान होता है।

जल मार्ग

यह तो आप जानते ही हैं कि नाव, स्टीमर, पानी का जहाज, आदि जहाँ चलते हैं, उसे जलमार्ग कहा जाता है। यह यातायात का सबसे सस्ता साधन है। इसे दो भागों में बाँटा जाता है-

(क) आन्तरिक जलमार्ग(ख) समुद्री जलमार्ग

आन्तरिक जलमार्ग

नदियों व नहरों में नाव व स्टीमर द्वारा यात्रा करने व माल आने-जाने को आन्तरिक जलमार्ग यातायात कहते हैं। भारत में आन्तरिक जलमार्गों का प्रयोग बहुत पहले से होता रहा है। रेलमार्गों के निर्माण से पहले यातायात का मुख्य मार्ग जलमार्ग ही था। भारत में पाँच राष्ट्रीय जलमार्ग हैं-

(क) गंगा नदी पर इलाहाबाद व हल्दिया के बीच 1620 किमी, लम्बा मार्ग।

(ख) ब्रह्मपुत्र नदी पर सदिया से धुवरी के बीच 891 किमी0 लम्बा मार्ग।

(ग) केरल में चम्पाकारा तथा उद्योग मण्डल नहरों सहित पश्चिमी तट के कोल्लम-कोट्टापुरम खण्ड- 204 किमी लम्बा मार्ग।

(घ) काकीनाडा-पुदुच्चेरी नहर-गोदावरी-कृष्णा (1095 किमी)

(ङ) पूर्वी तटीय नहर-ब्राह््मणी-महानदी (623 किमी)

इस समय भारत में आन्तरिक जलमार्गों की कुल लम्बाई 14500 किमी है, परन्तु इसका एक छोटा भाग ही व्यापार के लिए प्रयोग किया जा रहा है।

मानचित्र संख्या 6.3 भारत का जलमार्ग

समुद्री जलमार्ग

समुद्र के रास्ते से यात्रा करने व माल आने-जाने को समुद्री जलमार्ग यातायात कहते हैं। इस यातायात के साधन का प्रयोग दूसरे देशों में जाने व माल लाने- ले जाने के लिए किया जाता है। हमारे देश का लगभग 95 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्ग से ही होता है। समुद्र के किनारे बने पत्तनों (बन्दरगाहों) से बड़े-बड़े समुद्री जहाजों द्वारा विभिन्न देशों की यात्राएँ की जाती हैं। पत्तनों में जहाजों पर सामान लादने व उतारने की व्यवस्था रहती है।

भारत की लगभग 7516 किमी लम्बी तटरेखा पर 12 बड़े और 187 अन्य पत्तन हैं। बड़े पत्तनों की देखभाल केन्द्र-सरकार की जिम्मेदारी है, जबकि अन्य पत्तनों की देखभाल वहाँ की राज्य-सरकार करती है।

मुम्बई, कोलकाता (हल्दिया),पारादीप, तूतीकोरिन, मार्मगाओ, कान्दला, न्यू मंगलौर, कोच्चि, नावाशेवा (जवाहर लाल नेहरू), विशाखापत्तनम, चेन्नई और एन्नोर भारत के बड़े पत्तन हैं।

आप भारत के जलमार्ग और पत्तनों को मानचित्र चित्र 6.3 पर देखिए-

□अपनी अभ्यास-पुस्तिका पर पूर्वी तट एवं पश्चिमी तट के पत्तनों की अलग-अलग सूची बनाइए।

□कोलम्बो व यांगून पहुँचने के लिए कौन से भारतीय पत्तन से सबसे जल्दी पहुँचा जा सकता है? बताइए।

□भारत से यंागून किन-किन समुद्री मार्गों से जाया जा सकता है ? बताइए।

वायुमार्ग

हवाई जहाज एवं हेलीकॉप्टर आसमान में जिस रास्ते पर उड़ते हैं, उसे वायुमार्ग कहते हैं। वायुमार्ग यातायात का सबसे तेज गति का साधन है, लेकिन यह अधिक मँहगा पड़ता है। भारत में हवाई-जहाज की प्रथम उड़ान सन् 1911 में हुई थी। सन् 1953 से भारतीय वायु यातायात की व्यवस्था केन्द्र- सरकार ने अपने हाथ में ली। भारत में एयर इंडिया केअतिरिक्त अनेक निजी कम्पनियां भी विमानसेवादे रही है। भारत में अनेक घरेलू और अन्तर्राष्ट्रीय हवाई-अड्डे हैं। अन्तर्राष्ट्रीय हवाई-अड्डे वे स्थान हैं, जहाँ से हवाई-जहाज विदेशों के लिए उड़ते हैं तथा घरेलू हवाई-अड्डों से देश के अन्दर हवाई यात्रा की जाती है। भारत के प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय हवाई-अड्डे नई दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता, चेन्नई, लखनऊ, वाराणसी, बंगलुरू आदि हैं। मानचित्र (चित्र 6.4) पर इनकी स्थिति को देखिए और बताइए-

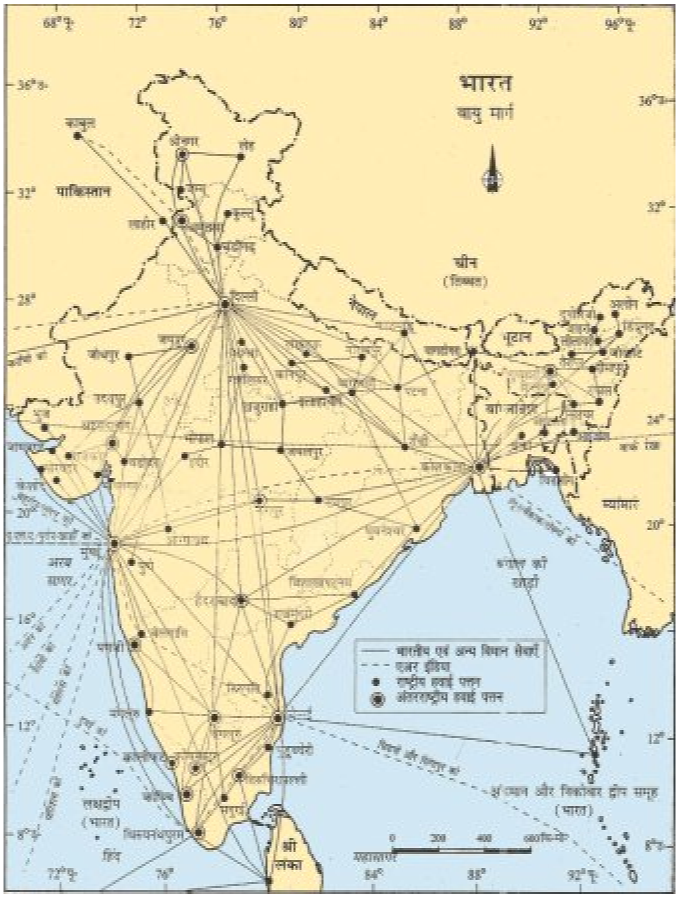

मानचित्र संख्या 6.4 भारत का वायुमार्ग

□ हवाई-जहाज द्वारा दिल्ली से कोलकाता जाने पर बीच में कौन-कौन से हवाई अड्डे पडें़गे ?

□ भारत के प्रमुख अन्तरराष्ट्रीय हवाई-अड्डों की सूची अपनी अभ्यास-पुस्तिका पर बनाइए।

सड़क, रेलगाड़ी, पानी का जहाज, हवाई जहाज, आदि यातायात के साधनों ने विभिन्न गाँवों, शहरों, खनिज स्थलों, उद्योग -धन्धों, कल-कारखानों आदि को एक सूत्र में पिरोकर भारत के व्यापार को विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाया है।

व्यापार

जब आपके घर में किसी चीज की आवश्यकता होती है, तो आप उसे कैसे और कहाँ से लाते हैं आप बाजार जाते हैं, वहाँ दुकानदार से अपनी आवश्यकता की चीज माँगते हैं। दुकानदार उस वस्तु के खरीद मूल्य (क्रय मूल्य) पर कुछ लाभ जोड़कर आपसे धन लेता है और आपको वह वस्तु बेच देता है। वस्तुओं और सेवाओं के खरीदने व बेचने की इस प्रक्रिया को व्यापार कहते हैं।

इसी प्रकार जब हमारा देश अपनी आवश्यकता की कोई वस्तु, किसी दूसरे देश से खरीदता है तो उसे 'आयात' (Import) कहते हैं और अपने देश में आवश्यकता से अधिक पैदा हुई या बनी हुई वस्तु को जब किसी दूसरे देश को बेचता है, तो उसे 'निर्यात' (Export) कहते हैं। आयात और निर्यात व्यापार के दो प्रमुख अंग हैं। व्यापार दो प्रकार का होता है-

देश के भीतर विभिन्न राज्यों द्वारा एक-दूसरे से सामान खरीदना या बेचना भी आयात-निर्यात की श्रेणी में आता है।

(क)देशी व्यापार

(ख)विदेशी व्यापार

भारत का देशी व्यापार

देशी व्यापार का अर्थ है देश के भीतर आवश्यकतानुसार वस्तुओं की खरीद-बेंच करना। किसी भी राज्य को जिस वस्तु की आवश्यकता होती है, वह उसे अन्य राज्य से खरीदता है। जो राज्य, जिस वस्तु का अपनी आवश्यकता से अधिक उत्पादन करते हैं, वह उसे दूसरे राज्यों को बेचते हैं।

पंजाब, उत्तर प्रदेश, से गेहूँ, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा से चावल, कर्नाटक, केरल से मसाले, महाराष्ट्र, गुजरात से नमक, सूती वस्त्र व कपड़े, असम से चाय, जम्मू-कश्मीर से फल आदि दूसरे राज्यों को बेंचा जाता है।

□आप अपने गाँव/मुहल्ले के लोगों द्वारा खरीदे और बेचे जाने वाली वस्तुओं की सूची अपनी अभ्यास-पुस्तिका पर बनाइए।

भारत का विदेशी व्यापार

दो देशों के बीच व्यापार अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार कहलाता है। भारत की विदेश व्यापार नीति द्वारा व्यापार को प्रशासनिक नियंत्रण से अधिकांशता मुक्त रखते हुए बहुत कम प्रतिबन्ध लगाए गए हैं। आशा की गई है कि इससे हमारे निर्यात (विशेषकर कृषि एवं सेवा क्षेत्र) को बढ़ावा मिलेगा और आत्मनिर्भर अर्थ- व्यवस्था का विकास होगा।

भारत के विदेशी व्यापार का लगभग 98 प्रतिशत जलमार्ग (पत्तनों) द्वारा तथा शेष 2 प्रतिशत स्थल मार्ग एवं वायुमार्ग द्वारा होता है। स्थलमार्ग द्वारा व्यापार अफगानिस्तान, नेपाल तथा बांग्लादेश देशों से ही होता है।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में पिछले 15 वर्षों में भारी बदलाव आया है। वस्तुओं के आदान-प्रदान की अपेक्षा सूचनाओं, ज्ञान तथा प्रौद्योगिकी (Technology)का आदान-प्रदान बढ़ा है। भारत अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक सॉफ्टवेयर महाशक्ति के रूप में उभरा है तथा सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से अत्यधिक विदेशी मुद्रा अर्जित कर रहा है।

सभी देश अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार पर निर्भर हैं, क्योंकि एक देश में सभी प्रकार की वस्तुएँ आवश्यकता के अनुरूप नहीं मिल सकती हैं। इस कारण अपनी आवश्यकता के अनुसार सभी देशों को आयात- निर्यात करना पड़ता है। भारत का विश्व के लगभग सभी देशों के साथ व्यापारिक सम्बन्ध है।

भारत के प्रमुख आयात-

□मशीनें

□कृषि उत्पाद

□पेट्रोलियम तथा पेट्रोलियम उत्पाद

- मोती व बहुमूल्य रत्न
- रसायन और सम्बंधित उत्पाद
- कोयला तथा कोक
- लोहे तथा इस्पात की वस्तुएँ
- इलेक्ट्रॉनिक बस्तुये

भारत के प्रमुख निर्यात

- कृषि एवं सम्बन्धित उत्पाद
- अयस्क एवं खनिज
- रत्न व जवाहरात
- रसायन व सम्बन्धित उत्पाद
- इंजीनियरिंग का सामान
- पेट्रोलियम एवं पेट्रोलियम उत्पाद
- वस्त्र तथा तैयार कपड़े
- हस्त कला की वस्तुएँ
- इलेक्ट्रॉनिक बस्तुये

विदेश व्यापार नीति– 2015–2020

भारत सरकार द्वारा घोषित इस नीति में वस्तुओं एवं सेवाओं का निर्यात बढ़ाने के साथ–साथ रोजगार सृजन करने और 'मेक इन इंडिया' विजन को ध्यान में रखते हुए देश में मूल्यवर्द्धन को नई गति प्रदान करने की रुपरेखा बनाई गई है। इस नीति में कारोबार करने को और आसान बनाने पर जोर दिया गया। इस नीति में भारत से वस्तु निर्यात योजना और भारत से सेवा निर्यात योजना की शुरुआत की गई है। वस्तु निर्यात योजना का उद्देश्य वस्तुओं का निर्यात बढ़ाना है।

संचार

आपको, अपने किसी दोस्त या रिश्तेदार को यदि अपने घर दावत में बुलाना होता है या उसे कोई सूचना/जानकारी देनी होती है, तो आप क्या करते हैं ? बताइए।

आप, अपने दोस्त या रिश्तेदार के पास बिना गए या बिना किसी को उन तक भेजे, कोई सूचना या जानकारी देने व विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए जिन साधनों का प्रयोग करते हैं, वे सभी संचार के साधन हैं।

□आप, अपनी जानकारी के अनुसार विभिन्न संचार के साधनों की सूची अपनी अभ्यास-पुस्तिका पर बनाइए।

अपने देश भारत ने संचार के क्षेत्र में अच्छी प्रगति की है। हमारी डाक संचार व्यवस्था, विश्व में सबसे बड़ी है। यह पत्र, तार, पार्सल, किताबें, अखबार, बिजली व टेलीफोन के बिल, आदि स्थल, जल या वायु परिवहन द्वारा लोगों तक बहुत जल्दी पहुँचाता है। हम लोग टेलीफोन (दूरभाष) और मोबाइल फोन का प्रयोग भी बातचीत के लिए करते हैं। इस व्यवस्था को 'दूरसंचार' कहते हैं। भारतीय दूर संचार व्यवस्था, एशिया में सबसे आगे है। रेडियो व टेलीविजन, के माध्यम से हम पूरे विश्व की जानकारियाँ घर बैठे-बैठे प्राप्त कर लेते हैं। टेलीविजन, फिल्मों व सीरियलों द्वारा हमारा मनोरंजन भी करता हैं। टेलीकान्फ्रेन्सिंग' और 'वीडियो कान्फ्रेन्सिंग' द्वारा हम बहुत दूर बैठे किसी व्यक्ति से इस प्रकार बात कर लेते हैं, जैसे वह हमारे सामने बैठा हो।

□आप टेलीविजन में कौन-कौन से सीरियल/कार्यक्रम देखते हैं ? बताइए।

टेलीविजन में कार्यक्रम निर्धारित होते हैं और हमें उन्हें ही देखना होता है, लेकिन कम्प्यूटर ऐसा साधन है जिसमें हम इण्टरनेट पर जाकर अपनी इच्छानुसार कार्यक्रम देख सकते हैं, सूचनाओं का आदान-प्रदान कर सकते हैं, विश्व के प्रत्येक क्षेत्र की नवीनतम जानकारियाँ प्राप्त कर सकते हैं और दूर बैठे लोगों से बातचीत कर सकते हैं।

ऑप्टिकल फाइबर

ऑप्टिक फाइबर तुम्हारे बालों जितने महीन, खोखले तार होते हैं। टेलीफोन कॉल, टी0वी0 की तस्वीरें, कम्प्यूटर डाटा इनसे होता हुआ लम्बी से लम्बी दूरी तय कर सकता है। आजकल संचार को और अधिक तीव्रगामी एवं भेजे गए सिग्नलों की गुणवत्ता को शुद्ध बनाए रखने के लिए ऑप्टिकल फाइबर तकनीकी का उपयोग किया जा रहा है। तुम्हारी उँगली जितना मोटा एक ऑप्टिक केबिल एक बार में कई हजार टेलीफोन कॉल और सिग्नल प्रेषित कर सकता है। इसकी मदद से गाँव-गाँव में सार्वजनिक टेलीफोन सेवा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

इण्टरनेट

इण्टरनेट, कम्प्यूटरों का एक ऐसा नेटवर्क है, जिसकी सहायता से एक कम्प्यूटर द्वारा भेजे गए सन्देश को, संसार के किसी भी भाग में स्थित नेटवर्क से जुड़े किसी भी कम्प्यूटर पर प्राप्त किया जा सकता है। इसकी सहायता से सन्देशों और सूचनाओं को दूर-दूर तक भेजा जा सकता है।

संचार उपग्रह

ऑस्टेªलिया में भारतीय क्रिकेट टीम ने कैसा क्रिकेट खेल खेला ? पहले हम इसका सीधा प्रसारण नही देख पाते थे, पर अब हम टेलीविजन और इण्टरनेट की सहायता से तुरन्त ही क्रिकेट मैच हो या कोई उत्सव/ समारोह, उसका सीधा प्रसारण देख सकते हैं। इसे सम्भव बनाया है संचार उपग्रहों ने। इस समय संचार उपग्रह दूरस्थ शिक्षा, ग्राम विकास, महिला एवं शिशु कल्याण, पंचायती राज, व्यावसायिक प्रशिक्षण, जनसंख्या नियंत्रण, आदि

कार्यक्रमों को अच्छे ढंग से जन-जन तक पहुँचा रहे हैं। भारत के 'इनसेट' श्रृंखला के उपग्रह, संचार कार्यक्रम में सहयोग कर रहे हैं।

और भी जानिए-

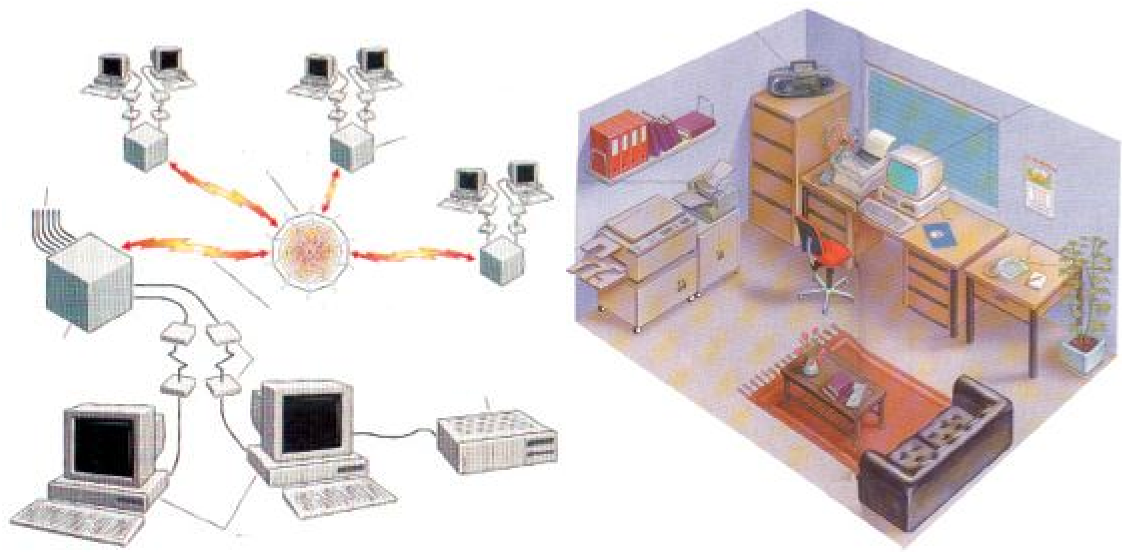

चित्र संख्या 6.6 इण्टरनेट नेटवर्किंग संचार के साधन

□'विश्व व्यापार संगठन' (W.T.O) व्यापारिक मामलों की एक विश्व स्तरीय संस्था है, जिसके सदस्य विश्व के अनेक देश हैं।

□इण्टरनेट पर प्रयोग किए जाने वाले "www"' का विस्तारित रूप है- "World wide web"

शब्दावली

विदेश: अपने देश के अलावा अन्य कोई देश उत्पादन: उत्पन्न करना

सॉफ्टवेयर: जिस इकाई पर कम्प्यूटर में कार्य किया जाता है।प्रौद्योगिकी: तकनीकी ज्ञान

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए-

(क) यातायात के साधनों की उपयोगिता लिखिए।

(ख) व्यापार से आप क्या समझते हैं ?

(ग) भारत का अधिकतर विदेशी व्यापार समुद्री मार्गों द्वारा होता है। क्यांे ?

(घ) वायु परिवहन की उपयोगिता लिखिए।

(ङ) भारत का विदेशी व्यापार मुख्य रूप से किन साधनों द्वारा होता है, और क्यों ?

(च) देश की प्रगति के लिए आयात- निर्यात दोनों आवश्यक हैं। क्यों ?

(छ) संचार के विभिन्न साधनों की उपयोगिता लिखिए।

2. सही उत्तर के सामने सही ✔का चिह्न लगाइए-

(क) रेलमार्ग व सड़क मार्ग बनाना सस्ता व सरल है-

स पठारों पर　　स पहाड़ों पर　　स मैदानों पर

(ख) सबसे तेज चलने वाला यातायात का साधन है-

स रेल　　स हवाई जहाज　　स बस

(ग) पाकिस्तान जाने के लिए सबसे उपयुक्त बन्दरगाह है-

स कोच्चि　　स कान्डला　　स पाराद्वीप

(घ) दो या दो से अधिक देशों के बीच के व्यापार को दर्शाता है-

स आन्तरिक व्यापार स बाहरी व्यापार स अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

(ङ) निम्नलिखित में कौन संचार का साधन नहीं है-

स टेलीकान्फ्रेन्सिंग स हेलीकॉप्टर स इण्टरनेट

भौगोलिक कुशलताएँ-

- भारत के रिक्त मानचित्र पर किन्हीं दो राष्ट्रीय जलमार्गों का अंकन कीजिए।
- भारत के रिक्त मानचित्र पर उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम सड़क गलियारे को मिलाने वाले अन्तिम छोर अंकित कीजिए।
- भारत के किन्हीं पाँच प्रमुख बन्दरगाहों को भारत के रिक्त मानचित्र पर प्रदर्शित कीजिए।

परियोजना कार्य (Project Work)

- समाचार पत्र/पत्रिकाओं की सहायता से भारत द्वारा आयात एवं निर्यात की जाने वाली वस्तुओं की सूची बनाइए।
- भारत में संचार के विभिन्न साधनों को प्रदर्शित करता हुआ चार्ट बनाइए।
- आप अपने डाकिए से 'डाक वितरण व्यवस्था' की जानकारी कीजिए।

जीवन अनमोल है, आइए अपना और दूसरों का जीवन सुरक्षित रखें

सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए यातायात सम्बन्धी सावधानियों का ध्यान रखना चाहिए। प्रमुख सावधानियाँ निम्नवत हैं–

- निर्धारित गति सीमा से तेज वाहन कभी भी न चलाएँ।
- दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट तथा चारपहिया वाहन चलाते समय सीट–बेल्ट अवश्य बाँधें।
- वाहन चलाते समय मोबाइल/हेडफोन जैसे ध्यान भटकाने वाले उपकरणों का प्रयोग न करें।
- नशा, नींद, अवसाद तथा आवेश की दशा में वाहन न चलाएँ क्योंकि ये हमारे सोचने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता को कम करते हैं।
- वाहन चलाते समय सदैव दाईं ओर से स्पष्ट संकेत देते हुए, वाहनों से उचित दूरी बनाकर ही आगे चलने वाले वाहन को ओवरटेक करें।
- सड़क पर चलते या वाहन चलाते समय सदैव यातायात संकेतों का पालन करें।

शिक्षक निर्देश–विद्यालय/कक्षा–कक्ष में सड़क सुरक्षा, यातायात के नियमों व संकेतों से संबंधित निबंध, वाद–विवाद, भाषण, समूह चर्चा, पोस्टर, स्लोगन निर्माण आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन कराएँ और बच्चों को इसमें प्रतिभाग करने हेतु प्रोत्साहित करें।